

संरक्षक
डॉ. बी.डी. अहिरवार
प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय बण्डा

समन्वयक
डॉ. कुलदीप यादव
श्री शैलेन्द्र सकवार

संयोजक
डॉ. नितीश ओबराइन

संगोष्ठी सचिव
डॉ. अशोक पन्था
डॉ. मृदुल सेन

आयोजन समिति

डॉ. एस.एच.गणवीर
डॉ. एच.आर. ठाकुर
डॉ. आर. के नगार्च
श्री विवेक द्विवेदी
डॉ. स्वीटी मिश्रा
डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव
डॉ. आकर्षा तिवारी
श्री संजय सिंह ठाकुर

डॉ. बाबूलाल अहिरवार
डॉ. रश्मि प्रीति गुरु
डॉ. रेखा राय
डॉ. राजाराम अहिरवार
डॉ. अपेक्षा मिश्रा
डॉ. गजराज अहिरवार
डॉ. राजेश अहिरवार
डॉ. राजकुमार प्रजापति
डॉ. राजेश कुशवाहा
श्री सुनील चक्रवर्ती

तकनीकी समिति

श्री एम.के सिरोटिया
श्री बृजेश सोनी
श्री प्रभात खरे
श्री सुखनंदन रायकवार
श्री ओ.पी.श्रीवास्तव
श्री कपिल रायकवार

संरक्षक — प्रो.शुभा तिवारी कुलपति, महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म.प्र.)
प्रो.बी.डी. अहिरवार, प्राचार्य, राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय बण्डा
परामर्श मण्डल — प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. ममता वाजपेयी, डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ.एच.जी. सेन,
डॉ. राजेश जैन, डॉ. भावना यादव, डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. रजनी दुबे,
डॉ. ज्योति मार्टिन, डॉ. एच.एस.गणवीर, डॉ. एच.आर. ठाकुर, डॉ. प्रतिभा जैन,
डॉ. संगीता मुखर्जी, डॉ. अंशु सोनी, श्री रजनीश चौरसिया
संचार समिति — डॉ. दीपक मोदी, डॉ. रणवीर सिंह राजपूत, डॉ. शशिकांत अवस्थी, डॉ. राजेन्द्र यादव,
डॉ. प्रतिभा राज, डॉ. मनोज चंदोलिया, डॉ. वैशाली जैन, डॉ. रश्मि यादव,
डॉ. प्रहलाद अहिरवार, डॉ. हरिशंकर सेन, डॉ. कल सिंह पटेलिया, डॉ. मनोज जैन,
डॉ. आर.सी. प्रजापति, डॉ.गिरीश लांबा, डॉ. रानू चौबे, डॉ. कनिष्क तिवारी
शोधार्थी समिति — समीर पांडे, निधि सिंह, दामनी सिंह, साधना रैकवार, विकास कुमार, विकास तंवर, विवेक प्रसाद

पुस्तक प्रकाशन हेतु —

15 जनवरी 2024 तक शोध आलेख स्वीकार्य।

शोध आलेख हेतु—

1. शोध आलेख हिन्दी एवं अंग्रेजी में स्वीकार्य होगा।
2. शब्द सीमा 2000—2500 शब्द।
3. प्लगरिज्म यू.जी.सी. के मानकों के अनुसार स्वीकृत।
4. शोध आलेख यूनीकोड 10 से 12 फोन्ट में स्वीकार।
5. पेपर इस ई-मेल पर भेजे —

ashokpanya@gmail.com

हार्ड कापी — प्राचार्य शास. महाविद्यालय बण्डा,
जिला सागर (म.प्र.) 470335 पर भेजें।

संपर्क सूत्र — डॉ. कुलदीप यादव 93004 09376
श्री शैलेन्द्र सकवार 9993699102
डॉ. अशोक पन्था 97138 13600

इच्छुक प्रतिभागी गूगल फार्म की निम्न लिंक से पंजीयन कर सकते हैं—

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSfTgokLfrWTdhjSR2dpp2XWMP5nAGsPVY_kqjh2bKcr_b_5g/viewform?usp=pp-url

पंजीयन शुल्क —

1. प्राध्यापक / सह-प्राध्यापक / सहा. प्राध्यापक / अतिथि विद्वान — 500 रुपये।

2. शोधार्थी / विद्यार्थी — 300 रुपये

शुल्क का भुगतान ऑनलाइन करें —

बैंक खाता क्रमांक — 31440723700

कुलदीप यादव IFSC- SBIN0010168

G-Pay No. - 93004 09376



Registration QR



UPI ID: 9076400277@okaxis



दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी

19-20 जनवरी 2024

आयोजक — राजनीति विज्ञान एवं समाजशास्त्र विभाग



“भारतीय लोकतंत्र के सात दशक एवं समाज”



सौजन्य — विश्व बैंक MPHEQIP के अंतर्गत IQAC के तत्वाधान में
श्री राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय बण्डा, जिला - सागर (म.प्र.)
बैंक द्वारा “B” ग्रेड प्रदत्त

E-mail : hegcbansag@mp.gov.in

Website : <https://www.shrirajivgandhigovtclgbanda.com>



College Contact Number

07583-252011

शोध संगोष्ठी के बारे में

भारत की ऐतिहासिक विकास यात्रा में स्वतंत्रता के समय से ही बहु सांस्कृतिक समाज को एकीकृत राष्ट्रीय समाज के रूप में विकसित करना सबसे बड़ी चुनौती रही है। फ्रांस की 1789 की राज्य क्रांति की परिणिति विश्व में जनतांत्रिक व्यवस्था के रूप में हुयी। भारत में भी स्वतंत्रता के पश्चात् लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनुसरण किया गया। भारतीय समाज की दशा को दृष्टिगत रखते हुये हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विगत सात दशकों की उपलब्धियों की समीक्षा की आवश्यकता विभिन्न राजनीतिशास्त्रियों एवं समाजशास्त्रियों के मध्य महसूस की जा रही है। समीक्षा की इसी आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुये, श्री राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय बण्डा के राजनीति विज्ञान विभाग एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा संयुक्त रूप से दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन इस उद्देश्य के साथ किया जा रहा है। इस विषय पर विषय विशेषज्ञों के अमूल्य मत एवं विश्लेषण को प्राप्त किया जा सकेगा। उनके सुझावों से भारतीय लोकतंत्र को अधिक सशक्त बनाने में समाज के सभी वर्गों की यथोचित भूमिका को सुनिश्चित किया जा सकेगा। एक स्वस्थ और समृद्ध लोकतंत्र द्वारा ही भारतीय समाज का भारतीय संविधान की प्रस्तावना अनुरूप समुचित एवं समन्वित विकास को फलीभूत किया जा सकेगा।

भारतीय समाज के क्षेत्रीय, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक भाषाई आदि अति विविधतापूर्ण स्वरूप के कारण स्थापित लोकतंत्र के लक्ष्यों को प्राप्त करना दुरीह कार्य था, और है भी, फिर भी भारत के स्वतंत्रता के पश्चात सन् 1950 ई. में स्थापित लोकतंत्र ने वर्तमान तक अपनी यात्रा के सात दशकों को अनेक उपलब्धियों एवं सकारात्मक परिणामों के साथ को पूर्ण किया है, साथ ही लोकतंत्र की इस विकास यात्रा में अनेक चुनौतियां जैसे – सांप्रदायिकता, आतंकवाद, विशेष रूप से सामाजिक आतंकवाद, जातिवाद, कुरीतियां, अंधविश्वास, लैंगिक असमानता, बाल अपराध, अशिक्षा, बेरोजगारी आदि भारतीय समाज में लोकतंत्र की सफलता में सबसे बड़ी बाधाये बनी हुई हैं। इन्ही चुनौतियों के समाधान हेतु एवं भारतीय लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए इस विमर्श का आयोजन किया गया है। आशा है कि राष्ट्रीय स्तर के विद्वानों द्वारा इस विषय पर किया गया विमर्श उनके द्वारा अनेक पत्रों पर व्यक्त चिंतन भारतीय लोकतंत्र को सामाजिक एवं राजनैतिक रूप से अधिक सशक्त बनाने में सार्थक सिद्ध होगा।

भारतीय लोकतंत्र के सात दशक एवं समाज

उप विषय –

- भारतीय लोकतंत्र की उपलब्धियां एवं चुनौतियां
- भारतीय विदेश नीति की उपलब्धियां एवं चुनौतियां
- राजनैतिक समाजीकरण-चुनौतियां एवं समाधान
- भारतीय लोकतंत्र एवं सामाजिक विकास
- भारतीय लोकतंत्र में राजनैतिक अपराधीकरण एवं समाज
- भारतीय लोकतंत्र एवं सामाजिक परिवर्तन
- भारतीय लोकतंत्र एवं आर्थिक विकास- चुनौतियां एवं समाधान
- भारतीय राजनीति में मतदान व्यवहार
- संसदीय शासन व्यवस्था की उपलब्धियां एवं चुनौतियां
- भारतीय लोकतंत्र में बढ़ता भ्रष्टाचार एवं समाज
- भारतीय लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका
- उदारीकरण एवं भारतीय लोकतंत्र
- भारतीय राजनीति में दबाव समूह की भूमिका

उद्घाटन सत्र – दिनांक 19 जनवरी 2024 (प्रातः 11 बजे से)

मुख्य अतिथि	—	प्रो. फूलबदन (सेन्टर फॉर रशियन एंड सेन्ट्रल एशियन स्टडी स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडी जे.एन.यू. नईदिल्ली)
अध्यक्षता	—	डॉ. बी.डी. अहिरवार, प्राचार्य (श्री राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय बण्डा)
विशिष्ट अतिथि	—	डॉ. अनुपमा कौशिक, विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर
मुख्य वक्ता	—	डॉ.नरेन्द्र कुमार (सेन्टर फॉर पॉलिटिकल स्टडी जे.एन.यू. नई दिल्ली)
विषय प्रवर्तक	—	डॉ. कुलदीप यादव (विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग) श्री शैलेन्द्र सकवार (विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग)
रिपोर्टर	—	डॉ. स्वीटी मिश्रा
संचालन	—	डॉ. अशोक पन्या
आभार	—	डॉ. नितीश ओबराइन

प्रथम अकादमिक सत्र – दिनांक 19 जनवरी 2024

अध्यक्षता	—	डॉ. इन्द्रा जैन , प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान, शासकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय दमोह
विषय विशेषज्ञ	—	डॉ. सर्वेश्वर उपाध्याय ,सहा. प्राध्यापक राजनीति विज्ञान डॉ. हरिसिंह गौर महाविद्यालय सागर
	—	डॉ. शिवानी राय, सहा. प्राध्यापक समाजशास्त्र , शासकीय महाविद्यालय हटा, जिला दमोह
रिपोर्टर	—	डॉ. आकर्षा तिवारी/डॉ. अपेक्षा मिश्रा
संचालन	—	डॉ. नितीश ओबराइन
आभार	—	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव

द्वितीय अकादमिक सत्र – दिनांक 20 जनवरी 2024 प्रातः 11 बजे से

अध्यक्षता	—	डॉ. नेहा निरंजन, वरिष्ठ व्याख्याता, राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन विभाग डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर
विषय विशेषज्ञ	—	डॉ. उमा लवानिया (प्राध्यापक, समाजशास्त्र, शास.कन्या महाविद्यालय बीना) डॉ. निशा जैन (प्राध्यापक, समाजशास्त्र, शास. कन्या महाविद्यालय बीना)
रिपोर्टर	—	डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव/डॉ.बाबूलाल
संचालन	—	श्री शैलेन्द्र सकवार
आभार	—	डॉ. स्वीटी मिश्रा

समापन सत्र – दिनांक 20 जनवरी 2024

मुख्य अतिथि	—	प्रो. दिवाकर शर्मा (रिटा.), (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं डीन समाज विज्ञान संकाय, डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय वि.वि. सागर)
अध्यक्षता	—	डॉ. बी.डी. अहिरवार, प्राचार्य (श्री राजीव गांधी शासकीय महाविद्यालय बण्डा)
विशिष्ट अतिथि	—	प्रो. फूलबदन (सेन्टर फॉर रशियन एंड सेन्ट्रल एशियन स्टडी स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडी जे.एन.यू. नईदिल्ली)
विशिष्ट अतिथि	—	डॉ.नरेन्द्र कुमार (सेन्टर फॉर पॉलिटिकल स्टडी जे.एन.यू. नई दिल्ली)
विशिष्ट अतिथि	—	डॉ. उत्सव आनंद (अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर)
प्रतिवेदन	—	डॉ. अशोक पन्या
रिपोर्टर	—	डॉ.स्वीटी मिश्रा/डॉ.रश्मि प्रीति गुरु
संचालन	—	डॉ. कुलदीप यादव
आभार	—	श्री विवेक द्विवेदी